सतत विकास के लिए स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं दीघार्यु के साथ संचारण
विषय पर आयोजित
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन
02 से 04 दिसंबर, 2023
राजकीय महाविद्यालय आनी स्थित हरिपुर जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश

राजकीय महाविद्यालय आनी स्थित हरिपुर में सतत विकास हेतु स्वास्थ्य, प्रसन्नता एवं दीघार्यु से संबंध विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2 से 4 दिसंबर तक किया गया। राजकीय महाविद्यायल की प्राचार्या डॉ. अनीता शर्मा के दूरदर्शी चिंतन के परिणामस्वरूप यह सम्मेलन सफलतापर्वूक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में भारत सहित अमेरिका, रूस, जर्मनी, न्यूजीलैंड, वियतनाम के 250 से अधिक देशों के 1000 से अधिक शिाक्षाविदों एवं शोधार्थियों ने भाग लिया।

योगसत्र एवं उद्घाटन : 02.12.2023

सम्मेलन के पहने दिन प्रातः 8 से 9 बजे तक सभी प्रतिभागियों के लिए एक योग सत्र का आयोजन किया गया। जिसमें वियतनाम से ऑनलाइन जुडे योगी जयपाल प्रजापत ने अनेक योगासनों से स्वस्थ जीवन के लिए योग की महता को बताया। उसके उपरांत प्रातः 10 बजे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ हुआ। उदघाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पूर्व प्रति कुलपति एवं एपीजी शिमला विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति प्रो. राजेंद्र चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके साथ उदघाटन सत्र में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व प्रोफेसर डॉ. के.सी. शर्मा, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के वैज्ञानिक डॉ. पवन कुमार राणा ने बतौर गेस्ट ऑफ ऑनर मौजूद रहे।

महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. अनीता शर्मा ने अपना स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। साथ ही तीन दिवसीय संगोष्ठी की रूपरेखा पर भी प्रकाश डाला। स्वागत सत्र में इंजीनीयर विनोद शावनी ने अमेरिका से जुडकर अध्यक्ष की भूमिका निर्वहित की। मुख्य अतिथि, प्राचार्या एवं अन्य अतिथियों ने सम्मेलन की शोध सारांश पुस्तिका का विमोचन किया। डॉ. बी. एस. चौहान ने सम्मेलन का कान्सेपट नोट प्रस्तुत किया। उसके उपरांत राष्ट्रीय रक्षा परिषद विश्वविद्यालय के प्रो. राकेश कृपलानी ने बीज वक्ता के रूप में जीवन की गुणवत्ता विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने शारीरिक, मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक तनाव को कम करने के लिए अनेक सुझाव प्रस्तुत किया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, प्रसन्नता तथा दीघार्यु के पीछे मौजूद वैज्ञानिक तथ्यों पर भी प्रकाश डाला। तकनीकी सत्र में डॉ. मोनोजीत दास ने विश्व नेतृत्व एवं स्वास्थ्य में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होनें विश्व में भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों को प्रचारित करने पर भी बल दिया। इस सत्र में आमंत्रित वक्ता के रूप में डॉ. जितेंद्र कुमार रांगडा उपस्थित रहे जो हिसार हरियाणा स्थित विजडम ऑफ मांइड के संस्थापक हैं। उन्होंने मानव मस्तिष्क का विकास विषय पर अपना व्याख्यान प्रदान किया। उन्होंने अवचेतन मन का जागृत करने के संबंध में अनेक व्यायाम भी करवाए। मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र चौहान ने उदघाटन सत्र पर अपने विचार रखे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान कीं। उन्होंने अपने अनुभव भी साझा किए। प्रो. नरेंद्र पॉल ने इस अवसर पर अपना धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। सम्मेलन में विभिन्न शोध पत्रों एवं विद्वानों के चिंतन मनन के पश्चात जो निष्कर्ष बिंदु सामने आए वे इस प्रकार थे कि समग्र स्वास्थय दृष्टिकोणों को सामने रखते हुए आधुनिक चिकित्सा के साथ योग जैसी पारंपरिक प्रथाओं के एकीकरण पर बल देना। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए प्रदूषण को कम करने और टिकाउ पदार्थों को बढावा देने पर ध्यान देना। स्वास्थ्य देखभाल में तकनीकी प्रगति के लिए स्वास्थय देखभाल वितरण और व्यक्तिगत शिक्षा में क्रांति लाने में

आई नैनो टैक्नोलोजी और रोबोटिक की क्षमता को स्वीकार करना। मानसिक स्वास्थय और भावनात्मक बुद्धिमता के लिए मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालना। विशेष रूप से महामारी की पश्चात खुशी और दीघार्यु प्राप्त करने में भावनात्मक बौधिकता की भूमिका, सामुदायिक एवं सांस्कृतिक एकीकरण के लिए समग्र कल्याण को बढावा देने में सामुदायिक सहायता प्रणालियों और सांस्कृतिक प्रथाओं के महत्व पर जोर देना आदि।

मेमरी टेकनीक पर कार्यशाला एवं तकनीकी सत्रों का आयोजन :

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले दिन दोपहर 2 बजे महाविद्यालय के छात्रों के लिए मेमरी टेकनीक विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें वंडर गर्ल ऑफ इंडिया रिया जांगडा ने छात्रों को अनेक क्रियाएं बताई। इसके साथ ही ऑनलाइन एवं आफलाइन मोड पर तकीनीक सत्रों का भी आयोजन किया गया। ऑफलाइन तकनीकी सत्र में डॉ. विद्याबंधु नेगी एसोसिएट प्रोफेसर राजकीय महाविद्यालय रामपुर ने बतौर सत्राध्यक्ष शिरकत की। इस सत्र में सह सत्राध्यक्ष के रूप में डॉ. रजनीश ठाकुर उपस्थित रहे। प्रो. निर्मल सिंह ने इस सत्र में मंच संचालक की भूमिका निभाई। सत्राध्यक्ष ने प्रो. योजना ठाकुर, असिस्टेंट प्रोफेसर जीव विज्ञान को अपना शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। योजना ठाकुर ने 'ए स्टडी एज टू हाउ द एग्रीक्लचर रेवोल्यूशन शेपड हयूमेन हैपीनेस एंड लोंजेविटि' विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। इसके अलावा इस सत्र में श्यामानंद, अदिति शर्मा, स्मृति राणा, खेमलता, अनीशा नैंटा, नरेंद्र पॉल, डॉ. संगीता नेगी ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. जीवन मसोई, असिस्टेंट प्रोफेसर गणित पीजी कॉलेज रामपुर ने की। इस सत्र में सह सत्राध्यक्ष के रूप में प्रो. अनिल कश्यप मौजूद रहे। इस सत्र में विमी रानी, सुलक्षणा शर्मा, रितु पंत, अमीता जोशी, सुभाष चंद, सुषमा ठाकुर, अशोक कुमार, डॉ. रजनीश कुमार ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। सत्र के अंत में सत्राध्यक्ष जीवन मसोई ने सभी प्रतिभागियों के शोध पत्रों का सारांश प्रस्तुत किया। दूसरे तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. धर्म कीर्ति नेगी ने की और सह सत्राध्यक्ष के रूप में डॉ. संगीता नेगी उपस्थित रहे। इस सत्र में विकास सुमन, कांता देवी, वीना शर्मा, पूनम चौहान, प्रो. भुवनेश्वर, प्रो. विजय कुमार, प्रो. निर्मल सिंह, प्रो. धन प्रकाश ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

सांस्कृतिक संध्या

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहने दिन सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सभी अतिथि एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्रों ने शिमल नाटी, शास्त्रीय एकल गान, स्किट, पंजाबी नृत्य एवं अंत में कुल्वी नाटी प्रस्तुत की।

दूसरा दिन 03.12.2023

संगोष्ठी के दूसरे दिन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आरंभ योग सत्र से हुआ जिसमें वियतनाम से योगी जयपाल प्रजापत ने प्रतिभागियों को अनेक योगासन एवं अन्य यौगिक क्रियाएं कराईं। प्रातः 9:30 बजे पहला तकनीकी सत्र आयोजित हुआ जिसमें अमेरिका से डॉ. वासु सिंह ने मेडिसिन, महिला स्वास्थय, एवं स्वस्थ जीवनचर्या पर अपना बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया। इस सत्र में दूसर बीज वक्ता डॉ. पवन राणा रहे हिमालय पर्यावरण की चुनौतियों और जीवनचर्या पर इसके प्रभाव पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कीटों के पारिस्थिक प्रभाव के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस सत्र में प्रो. नरेंद्र पॉल ने बतौर सत्राध्यक्ष एवं प्रो. निर्मल सिंह ने सह सत्राध्याक्ष के रूप में शिरकत की। इसके उपरांत तीन ऑनलाइन तकनीकी सत्र आयोजित किये गए। प्रथम आनलाइन सत्र डॉ. पवन राणा एवं प्रो. अशोक कुमार ने क्रमशः सत्राध्याक्ष एवं सहसत्राध्यक्ष की भूमिका निभाई। इस सत्र में प्रो. धर्मकीर्ति नेगी, प्रो. रोहित

कटोच, प्रो. संजय दत्त, प्रो. राधिका. विनीत, साक्षी ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। दूसरा आनलाइन तकनीकी सत्र में डॉ. मदन शांडिल ने सत्राध्यक्ष एवं प्रो. धनप्रकाश ने सह सत्राध्यक्ष की भूमिका निभाई। इस सत्र में प्रो. नरेंद्र पॉल एवं मस्त राम, प्रो. विनोद कुमार, प्रो. अनिल कश्यप, प्रो. पंपी घामटा, सीमा, प्रो. पुष्पा गुलेरिया ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। तीसरा तकनीकी सत्र प्रो. विनोद कुमार एवं प्रो. भुनेश्वर ने अध्यक्ष एवं सह अध्यक्ष की भूमिका निभाई। इस सत्र में रिचा कुमारी, डॉ. रितु शर्मा, उपमा शर्मा, वंशिका शर्मा, सुबोध नेगी ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। इन सत्रों में कृषि क्रांति के मानव के सुख और स्वास्थय पर प्रभाव तथा एच आई एवं रोबोटिक की भूमिका आदि विषयों पर भी चर्चा की गई।

समापन सत्र

समापन सत्र में राजकीय महाविद्यालय आनी की प्राचार्या ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके साथ डॉ. पवन राणा, प्रो. केसी कश्यप, प्रो. बी.एस. चौहान गेस्ट ऑफ ऑनर तथा प्रो. मदन शांडिल ने बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। डॉ. संगीता नेगी ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दो दिनों का प्रतिवेदन सविस्तार प्रस्तुत किया। उसके उपरांत संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों एवं छात्रों ने अपना फीडबैक दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने संगोष्ठी के विषय की वर्तमान प्रासंगिकता पर अपना व्याख्यान प्रदान किया। उपस्थित प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रमाण पत्र प्रदान किये गए। धर्मकीर्ति नेगी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा राष्ट्र गान के साथ संगोष्ठी का विधिवत समापन हुआ।

तीसरा दिन 04.12.2023

संगोष्ठी के तीसरे दिन प्रतिभागियों के लिए एक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश एवं देश भर से पधारे शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं को नजदीकी पर्यटन स्थलों का भ्रमण कराया गया। जिसके अंतर्गत जलोडी जोत, नित्थर, रामपुर आदि स्थलों का ऐतिहासिक, धार्मिक महत्व सभी प्रतिभागियों को बताया गया। इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का विधिवत समापन हो गया।